Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री खाटू श्याम जी निशान यात्रा विधि ॥

संकल्प से ध्वजा अर्पण तक

तैयारी • पूजन • पदयात्रा • अर्पण

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ श्री खाटू श्याम जी निशान यात्रा विधि ॥

निशान की रीतियाँ क्षेत्र और समूह के अनुसार भिन्न हो सकती हैं।
मंदिर में उसी दिन की अर्पण-व्यवस्था और सेवादारों के निर्देश मानें।

निशान यात्रा का भाव

निशान बाबा श्याम को अर्पित की जाने वाली ध्वजा है। भक्त इसे मनोकामना, कृतज्ञता और समर्पण के भाव से उठाते हैं। रींगस से खाटू तक पदयात्रा विशेष रूप से प्रचलित है; अनेक समूह अपने नगर से भी यात्रा आरंभ करते हैं।

१. निशान और यात्रा की तैयारी

स्वच्छ ध्वजा चुनें। केसरिया, पीला और लाल रंग प्रचलित हैं; कई निशानों पर श्री श्याम या जय श्री श्याम लिखा रहता है। ध्वजा को मजबूत, सुविधाजनक डंडे पर बाँधें। आकार और वजन ऐसा रखें जिसे आप सहजता से सँभाल सकें। समूह में यात्रा हो तो साथियों से व्यवस्था तय करें।

२. स्नान और संकल्प

यात्रा से पहले स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। बाबा श्याम को प्रणाम करके मन में अपनी प्रार्थना या आभार व्यक्त करें। सरल संकल्प लें कि प्रेम, संयम और सहयोग के साथ निशान अर्पित करने जा रहे हैं। संकल्प अपनी भाषा में भी कर सकते हैं।

॥ जय श्री श्याम ॥

॥ श्री खाटू श्याम जी निशान यात्रा विधि ॥

निशान की रीतियाँ क्षेत्र और समूह के अनुसार भिन्न हो सकती हैं।
मंदिर में उसी दिन की अर्पण-व्यवस्था और सेवादारों के निर्देश मानें।

३. निशान का पूजन

निशान को स्वच्छ स्थान पर आदर से रखें। अपनी पारिवारिक या समूह-परंपरा के अनुसार ध्वजा के पास दीपक जलाकर पुष्प, रोली या चंदन अर्पित करें। बाबा के चित्र के सामने ॐ श्री श्याम देवाय नमः का जाप करके मंगलमय यात्रा की प्रार्थना करें।

४. निशान उठाना

जय श्री श्याम का स्मरण करते हुए ध्वजा उठाएँ। निशान को सीधा और आदरपूर्वक सँभालें तथा उसे घसीटने से बचें। समूह में बड़ा निशान हो तो बारी-बारी से सहायता लें। आसपास चल रहे यात्रियों का ध्यान रखते हुए आगे बढ़ें।

५. पदयात्रा का क्रम

नाम-स्मरण और भजन के साथ सहज गति से चलें। अपने साथियों तथा प्रशासन द्वारा निर्देशित मार्ग का पालन करें। आवश्यकता हो तो विश्राम करें और जल लें; उस समय साथी निशान सँभाल सकता है। बच्चों और बुज़ुर्गों की गति का ध्यान रखें तथा मार्ग स्वच्छ रखें।

॥ जय श्री श्याम ॥

॥ श्री खाटू श्याम जी निशान यात्रा विधि ॥

निशान की रीतियाँ क्षेत्र और समूह के अनुसार भिन्न हो सकती हैं।
मंदिर में उसी दिन की अर्पण-व्यवस्था और सेवादारों के निर्देश मानें।

६. खाटू पहुँचने पर

मंदिर क्षेत्र में पहुँचकर वहाँ के सेवादारों से निशान अर्पण की व्यवस्था पूछें। भीड़ या उत्सव के अनुसार प्रवेश, कतार और अर्पण-स्थल बदल सकते हैं। उसी दिन दिए निर्देशों का पालन करें और निशान के डंडे को नियंत्रित रखते हुए कतार में आगे बढ़ें।

७. निर्धारित स्थान पर अर्पण

निशान मंदिर समिति द्वारा बताए स्थान पर, सेवादारों की सहायता से अर्पित करें। मन में बाबा को अपना आभार और प्रार्थना निवेदित करें। दर्शन की कतार और निशान अर्पण की व्यवस्था अलग हो तो दोनों के लिए मिले निर्देशों का पालन करें।

८. प्रणाम और यात्रा का समापन

दर्शन के समय बाबा को प्रणाम करें और भक्ति, सद्बुद्धि तथा सबके मंगल की प्रार्थना करें। समूह के साथ प्रसाद और यात्रा की प्रसन्नता बाँटें। अपने संकल्प का भाव जीवन में विनय, सेवा और सहयोग के रूप में बनाए रखें।

॥ श्री खाटू श्याम जी निशान यात्रा विधि सम्पूर्ण ॥